भजन

पूर्ण सरूप में पिया,आपको देखा यहां
इश्क साहेबी को जान लिया,आपकी पिया है ये क्या

1– एक साहेबी दूजा इश्क,दोनों ही बजाए हैं
अब समझ में आ गया हम क्यूं आये यहां

2–जब तलक न समझे थे हम,कुछ न कुछ कहते रहे
आपकी निजबुद्ध से जाना राज ये गहरा पिया

3– सुख तो लेते थे हम,इश्क का निजधाम में
साहेबी का सुख पिया का,हमने है जाना अब यहां

4– अब न चलने को कहेंगे,कहना था जो कह लिया
काम अपना पूरा करके,खुद चलेंगे मेरे पिया

5– हम अगर जल्दी करें, इससे भी होना क्या
हुकम अपने आप ही सब,काम कर रहा पिया

6– छल हमारा क्या करेगा,साथ में जब आप हो
जिसने समझा आपको,ये खेल छल का छोड़ दिया